राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान, गांधीनगर

हिंदी पखवाड़ा-2023-रिपोर्ट

हिन्दी अपने देश और भाषा की प्रभावशाली विरासत है - माखनलाल चतुर्वेदी

विषयवस्तु

हिंदी पखवाड़ा 2023.....3
कार्यक्रम एवं प्रतियोगिताओं का संक्षिप्त विवरण.....4
उद्घाटन समारोह.....5
माननीय केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह जी का संदेश.....6
माननीय केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह जी का लिखित संदेश.....7
माननीय केंद्रीय वस्त्र मंत्री श्री पीयूष गोयल जी का संदेश.....9
माननीय केंद्रीय राज्य मंत्री श्रीमती दर्शना जरदोश जी का संदेश.....10
माननीय वस्त्र मंत्रालय सचिव श्रीमती रचना शाह जी का संदेश.....11
माननीय निफ्ट महानिदेशक, श्री रोहित कंसल जी का संदेश.....12
राजभाषा प्रतिज्ञा.....13
राजभाषा प्रतिज्ञा की झलकियाँ:.....14
हिंदी निबंध प्रतियोगिता(केवल स्टाफ के लिए):.....15
हिंदी टंकण गति प्रतियोगिता (केवल स्टाफ के लिए).....17
हिंदी श्रुत लेखन प्रतियोगिता (केवल एम्. टी. एस के लिए).....19
हिंदी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता (केवल अधिकारी/स्टाफ/छात्रों के लिए).....21
हिंदी पोस्टर बनाओ प्रतियोगिता (केवल छात्रों के लिए).....23
चित्र देखो कहानी लिखो प्रतियोगिता (केवल छात्रों के लिए).....24
हिंदी नाम अभिधा गतिविधि.....25
प्रतियोगिता में भाग लिए गए विजताओं का विवरण.....26
हिंदी पखवाड़ा के लिए प्रमाण पत्र.....27
विभिन्न प्रतियोगिताओं के निर्णायकगण.....28
बहु कार्यकारिणी टीम.....28
हिंदी पखवाड़ा 2023 का समापन.....29

हिंदी पखवाड़ा 2023

गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग के निर्देशानुसार प्रत्येक वर्ष सितंबर माह में हिन्दी पखवाड़े का आयोजन सभी सरकारी कार्यालयों को करना आवश्यक है। इस प्रकार के आयोजन का उद्देश्य कार्यालयों में संघ की राजभाषा नीति के कार्यान्वयन के लिए उत्साहवर्धक वातावरण बनाना तथा अधिकारियों और कर्मचारियों को सरकारी कामकाज में राजभाषा हिन्दी का अधिकाधिक प्रयोग करने के लिए प्रोत्साहन देना है।

इसी सम्बन्ध में सरकारी निर्देशों, मुख्यालय की अपेक्षाओं एवं निफ्ट गाँधीनगर परिसर की परम्परा के अनुसार देवनागिरी की भावना का हमारी भाषा के रूप में उत्सव मनाते हुए इस वर्ष हिंदी दिवस दिनांक 14-09-2023 से 29-09-2023 के दौरान हिंदी पखवाड़ा का भव्य आयोजन निफ्ट परिसर मे किया गया |

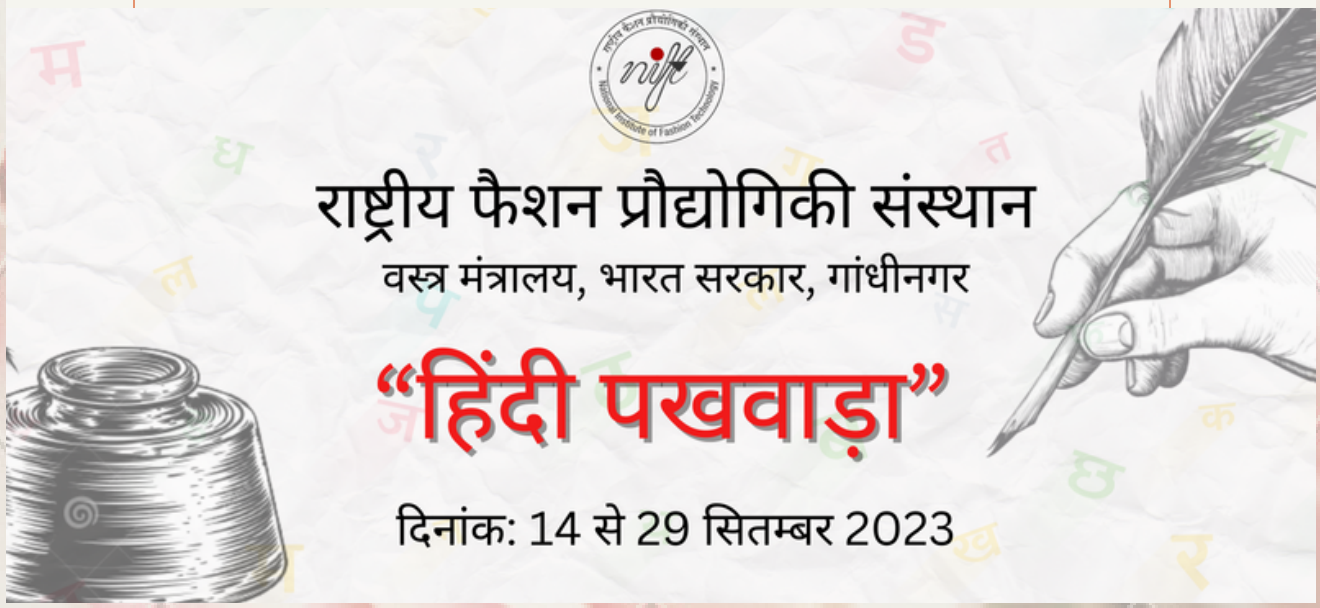

आकृति 1: हिंदी पखवाड़ा बैनर

कार्यक्रम एवं प्रतियोगिताओं का संक्षिप्त विवरण

इस हिंदी पखवाड़े के अंतर्गत उद्घाटन और समापन समारोह सहित 6 प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जिनका संक्षिप्त विवरण निम्नलिखित है:

क्रं सं.	प्रतियोगिता/कार्यक्रम	दिनांक	स्थान	समन्वयक
1	हिंदी पखवाड़ा का शुभारम्भ (स्वागत भाषण,दीप प्रज्वालन, प्रतिज्ञा,संदेश पाठन, नाम अभिधा इत्यादी)	14 सितम्बर 2023, ब्रहस्पतिवार समय: 4-5 अ.प.	ऑडिटोरियम	हिंदी अनुभाग
2	हिंदी टंकण गति प्रतियोगिता (केवल स्टाफ के लिए)	15 सितम्बर 2023 ,शुक्रवार समय: 4:00-5:30 अ.प.	आई.टी. लैब	हिंदी अनुभाग
3	हिंदी श्रुत लेखन प्रतियोगिता (केवल एम.टी. एस के लिए)	18 सितम्बर 2023, सोमवार समय: 4:00-5:30 अ.प.	टी. डी. ऑडियो विसुअल रूम	हिंदी अनुभाग
4	हिंदी पोस्टर बनाओ प्रतियोगिता (केवल छात्रों के लिए)	19 सितम्बर 2023, मंगलवार समय: 4:00-5:30 अ.प.	सेंट्रल लॉन/ ऍफ़. एम. एस. क्लास रूम	हिंदी अनुभाग/ एस. डी. ए. सी.
5	प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता (स्टाफ एवं छात्रों के लिए)	20 सितम्बर 2023,बुधवार समय: 4:00-5:30 अ.प	टी. डी. ऑडियो विसुअल रूम	हिंदी अनुभाग
6	हिंदी निबंध प्रतियोगिता (केवल स्टाफ के लिए)	21 सितम्बर 2023, ब्रहस्पतिवार समय: 4:00-5:30 अ.प	टी. डी. ऑडियो विसुअल रूम	हिंदी अनुभाग
7	चित्र देखो कहानी लिखो प्रतियोगिता (केवल छात्रों के लिए)	21 सितम्बर 2023, ब्रहस्पतिवार समय: 4:00-5:30 अ.प	ऍफ़. एम. एस. क्लास रूम	हिंदी अनुभाग
8	हिंदी पखवाडा समापन समारोह (पुरुस्कार वितरण,धन्यवाद ज्ञापन)	29 सितम्बर 2023 शुक्रवार समय: 4:00-5:30 अ.प	ऑडिटोरियम	हिंदी अनुभाग

उद्घाटन समारोह

कार्यक्रम के प्रारम्भ में नोडल हिंदी अधिकारी एवं कनिष्क अनुवाद अधिकारी द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित निदेशक महोदय, सभी अधिकारी गण, संकायगण एवं साथी कर्मचारियों का हार्दिक स्वागत किया गया और सभी सदस्यों को भारत के जन मानस को स्पर्श करने वाली हृदय भाषा, हिंदी दिवस की बहुत बहुत शुभकामनाये दी गयीं।

निदेशक महोदय द्वारा द्वीप प्रज्वलन कर, हिंदी पखवाडा का शुभारम्भ किया गया एवं हिंदी नोडल अधिकारी एवं कनिष्ट अनुवाद अधिकारी द्वारा निफ्ट मुख्यालय से प्राप्त माननीय केंद्रीय गृह मंत्री, माननीय केंद्रीय वस्त्र मंत्री, माननीय केंद्रीय राज्य वस्त्र मंत्री माननीय सचिव वस्त्र-मंत्रालय- भारत सरकार, एवं माननीय महानिदेशक (निफ्ट) के हिंदी दिवस संदेशों को पढ़ा गया |

संदेशो को पढने के पश्चात निदेशक, निफ्ट गांधीनगर ने सभी उपस्थित सदस्यों को निफ्ट मुख्यालय से प्राप्त राजभाषा प्रतिज्ञा दिलवाई।

इसके उपरांत निदेशक महोदय के निर्देशानुसार औपचारिक रूप से हिंदी पखवाड़े में आयोजित होने वाली प्रतियोगिताओं की घोषणा की गयी।

आकृति 2: हिंदी पखवाड़े के शुभारम्भ पर दीप प्रज्ज्वलन

माननीय केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह जी का संदेश

आकृति 3: माननीय केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह जी का संदेश

माननीय केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह जी का लिखित संदेश

अमित शाह
गृह मंत्री एवं सहकारिता मंत्री
भारत सरकार

प्रिय देशवासियो!

आप सब को हिंदी दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ।

भारत भाषिक विविधता का देश रहा है। दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र की भाषिक विविधता को एकता के सूत्र में पिरोने का नाम **'हिंदी'** है। हिंदी भाषा अपनी प्रवृत्ति से ही इतनी जनतांत्रिक रही है कि इसने भारतीय भाषाओं और बोलियों के साथ–साथ कई वैश्विक भाषाओं को यथोचित सम्मान देते हुए उनकी शब्दावलियों, पदों, वाक्य विन्यासों और वैयाकरणिक नियमों को आत्मसात किया है।

हिंदी भाषा ने स्वतंत्रता आन्दोलन के मुश्किल दिनों में देश को एकता के सूत्र में बाँधने का अभूतपूर्व कार्य किया। अनेक भाषाओं और बोलियों में बँटे देश में ऐक्य भावना से पूरब से पश्चिम और उत्तर से दक्षिण तक स्वतंत्रता की लड़ाई को आगे बढ़ाने में संवाद भाषा हिंदी की महत्त्वपूर्ण भूमिका रही। इसीलिए, लोकमान्य तिलक हों, महात्मा गांधी हों, लाला लाजपत राय हों, नेताजी सुभाषचंद्र बोस हों, राजगोपालाचारी हों; हिंदी के शुरुआती पैरवीकारों में बहुसंख्यक उन प्रदेशों के लोग थे, जिनकी मातृभाषाएँ हिंदी नहीं थीं।

किसी भी देश की मौलिक सोच और सृजनात्मक अभिव्यक्ति सही मायनों में सिर्फ उस देश की अपनी भाषा में ही की जा सकती है। प्रसिद्ध साहित्यकार भारतेंदु हरिश्चन्द्र ने लिखा है कि, **"निज भाषा उन्नति अहै, सब उन्नति को मूल।"** यानि कि, अपनी भाषा की उन्नति ही सभी प्रकार की उन्नति का मूल है। राष्ट्र की पहचान इस बात से भी होती है कि उसने अपनी भाषा को किस सीमा तक मजबूत, व्यापक एवं समृद्ध बनाया है। यही कारण है कि स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद संविधान निर्माताओं ने अनुच्छेद 343 द्वारा संघ की राजभाषा के रूप में हिंदी और लिपि के रूप में देवनागरी को अपनाया।

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भारतीय भाषाओं को राष्ट्रीय से वैश्विक मंचों तक यथोचित सम्मान मिला है। हमारी सभी भारतीय भाषाएँ और बोलियाँ हमारी सांस्कृतिक धरोहर हैं।

माननीय केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह जी का लिखित संदेश

अपनी भाषा में सुनी हुई अवांछनीय बातें भी बहुत बुरी नहीं लगती। कवि **विद्यापति** की शब्दावली में कहूँ तो **'देसिल बयना सब जन मिट्ठा'** यानि देशी भाषा सभी जनों को मीठी लगती है। गृह मंत्रालय का राजभाषा विभाग निरंतर प्रयत्नशील है कि शहद सामान मीठी भारतीय भाषाओं को आधुनिक तकनीक के माध्यम से अत्याधुनिक और वैज्ञानिक प्रयोग के अनुकूल उपयोगी बनाया जा सके।

सरकार और जनता के बीच भारतीय भाषाओं में संवाद स्थापित कर जनकल्याणकारी योजनाओं को प्रभावी तौर पर लागू किया जा सकता है। दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र जन–जन तक उनकी ही भाषा में उनके हित की बात पहुँचाकर आदर्श लोकतंत्र के निर्माण का सबसे अच्छा उदाहरण हो सकता है। राजभाषा विभाग ने इसी उद्देश्य से राजभाषा हिंदी के प्रयोग को सूचना प्रौद्योगिकी के माध्यम से सहज बनाने की दिशा में काम करते हुए स्मृति आधारित अनुवाद प्रणाली **'कंठस्थ'** का निर्माण और विकास किया है। फिजी में संपन्न 'विश्व हिंदी सम्मेलन' में **'न्यूरल मशीन ट्रांसलेशन'** के साथ इसके नए वर्जन (कंठस्थ 2.0) के मोबाइल ऐप का भी लोकार्पण भी किया गया है।

राजभाषा विभाग की एक नई पहल **'हिंदी शब्द सिंधु'** शब्दकोश का निर्माण है। इस शब्दकोश में संविधान की 8वीं अनुसूची में अधिसूचित भारतीय भाषाओं के शब्दों को शामिल कर इसे निरंतर समृद्ध किया जा रहा है। साथ ही, विभाग ने **'लीला हिंदी प्रवाह'** मोबाइल ऐप भी तैयार किया है, जिसे अपनाकर विभिन्न भाषा–भाषी 14 भारतीय भाषाओं के माध्यम से अपनी–अपनी मातृभाषाओं से स्तरीय हिंदी निःशुल्क सीख सकते हैं।

भाषा परिवर्तन का सिद्धांत यह कहता है कि भाषा जटिलता से सरलता की ओर जाती है। मेरे विचार से हिंदी के सरल और सुस्पष्ट शब्दों को कार्यालयी कामकाज में प्रयोग में लाना चाहिए। टिप्पणी, पत्राचार, ई–मेल, विज्ञप्ति आदि के लिए आम बोलचाल के शब्दों व वाक्यों के प्रयोग से हिंदी के प्रयोग का चलन बढ़ेगा।

हमारे लिए हिंदी का प्रश्न सिर्फ एक भाषा का प्रश्न नहीं, बल्कि राष्ट्रीय स्वाभिमान व सांस्कृतिक गौरव का विषय है। मुझे विश्वास है कि राजभाषा विभाग के उपरोक्त प्रयासों से सभी मातृभाषाओं को आत्मसात करते हुए लोकसम्मत भाषा हिंदी विज्ञानसम्मत व तकनीकसम्मत होकर संपन्न राजभाषा के रूप में स्थापित होगी।

पुनश्च, आप सब को हिंदी दिवस की अनंत शुभकामनाएं।

नई दिल्ली,
14 सितंबर, 2023

(अमित शाह)

आकृति 4: माननीय केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह जी का लिखित संदेश

माननीय केंद्रीय वस्त्र मंत्री श्री पीयूष गोयल जी का संदेश

पीयूष गोयल
PIYUSH GOYAL

वाणिज्य एवं उद्योग,
उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक
वितरण तथा वस्त्र मंत्री, भारत सरकार
MINISTER OF COMMERCE & INDUSTRY,
CONSUMER AFFAIRS, FOOD & PUBLIC DISTRIBUTION AND
TEXTILES, GOVERNMENT OF INDIA

संदेश

भाषा किसी देश की सभ्यता, संस्कृति, परंपरा और रीति-रिवाज़ की परिचायक होती है। भाषा परस्पर संवाद के माध्यम से एक दूसरे को जोड़े रखने का काम करती है। हिंदी में ये सारी खूबियां होने के कारण स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान देश के तमाम नागरिकों को एकजुट करने, उनके साथ रणनीतिक संवाद स्थापित करने के लिए देश की लोकप्रिय भाषा हिंदी को माध्यम बनाकर आज़ादी हासिल की गई थी। देश में बड़े पैमाने पर हिंदी की स्वीकार्यता को देखते हुए हमारे संविधान में 14 सितंबर के ही दिन हिंदी को संघ की राजभाषा का दर्जा प्रदान किया गया था।

माननीय प्रधानमंत्री जी के दूरदर्शी नेतृत्व में आज भारत प्रत्येक क्षेत्र में निरंतर आगे बढ़ रहा है और आज़ादी के अमृतकाल में एक विकसित राष्ट्र बनने की ओर अग्रसर है। माननीय प्रधानमंत्री जी के द्वारा राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों से हिंदी में संबोधन करने से देश ही नहीं बल्कि विदेशों में भी हिंदी का मान-सम्मान बढ़ा है।

हिंदी की सरलता और सहजता के कारण अनेक प्रसिद्ध विद्वानों ने हिन्दी को स्वीकार किया है। सरकारी काम-काज में हिंदी का अधिक से अधिक प्रयोग करना हमारा दायित्व है ताकि शासन और जनता के बीच बेहतर समझ पैदा हो सके। "अपनी भाषा में काम, देश की प्रगति में योगदान" के मूल मंत्र को ध्यान में रखते हुए कार्यालयों में हमें हिंदी को प्रोत्साहित करना चाहिए।

हिंदी दिवस के अवसर पर मैं वस्त्र मंत्रालय के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को शुभकामनाएं देता हूँ और उन्हें अधिक से अधिक सरकारी काम-काज हिंदी में करने के लिए प्रोत्साहित करता हूँ।

पीयूष गोयल

पीयूष गोयल

आकृति 5: माननीय केंद्रीय वस्त्र मंत्री श्री पीयूष गोयल जी का संदेश

माननीय केंद्रीय राज्य मंत्री श्रीमती दर्शना जरदोश जी का संदेश

दर्शना जरदोश
DARSHANA JARDOSH

सत्यमेव जयते

रेल एवं वस्त्र राज्य
भारत सरकार
MINISTER OF STATE
RAILWAYS AND TEXT
GOVERNMENT OF I

संदेश

हमारा देश विभिन्न भाषाओं एवं बोलियों वाला देश है जिनमें से हिंदी सबसे अधिक बोली और समझी जाने वाली एक लोकप्रिय भाषा है। हमारे देश के स्वतंत्रता आंदोलन में हिंदी की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। इसीलिए देश की आज़ादी के बाद जब देश का कामकाज चलाने के लिए एक राजभाषा की आवश्यकता महसूस हुई तो हिंदी का नाम सर्वोपरि था। इसी के मद्देनजर संविधान निर्माताओं द्वारा 14 सितंबर,1949 को हिंदी को संविधान में राजभाषा का दर्जा प्रदान किया गया था। तभी से प्रत्येक वर्ष 14 सितंबर को हिंदी दिवस के रूप में मनाया जाता है।

वस्त्र मंत्रालय का कामकाज निःसन्देह वस्त्र क्षेत्र से संबंधित है और वस्त्र क्षेत्र का दायरा बहुत व्यापक है। इस क्षेत्र में देश के छोटे तथा बड़े हर वर्ग के लोग जुड़े हैं जिनमें से अधिकांश आम नागरिक हैं। देश की अर्थव्यवस्था में भी वस्त्र क्षेत्र का बहुत बड़ा योगदान है। माननीय प्रधानमंत्री जी के मेक इन इंडिया पहल के कार्यान्वयन के फलस्वरूप वस्त्र आइटमों के उत्पादन, उनकी गुणवत्ता तथा निर्यात में वृद्धि हुई है। इस क्षेत्र को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने और इस क्षेत्र को बड़ा आकार देने के लिए सरकार द्वारा बहुत सी योजनाएं जैसे- एसआईटीपी, जूट-आई केयर, एनटीटीएम, एनएचडीपी, सीएचसीडीएस, एनएचडीपी, आरएमएमएस,एटीयूएफएस क्रियान्वित की जा रही हैं, जिनमें हाल में मंजूर की गई पीएम मित्र योजना प्रमुख है। इन योजनाओं का व्यापक प्रचार करने, इनके लाभों के बारे में जागरूकता लाने और इनका लाभ देश के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाने के लिए हमें सरकारी कामकाज देश की सबसे लोकप्रिय भाषा हिंदी में करना होगा।

हिंदी दिवस के अवसर पर मंत्रालय तथा इसके नियंत्रणाधीन सभी कार्यालयों में अपनी सुविधानुसार हिंदी सप्ताह, हिंदी पखवाड़ा और हिंदी माह आदि का आयोजन किया जाएगा। कार्यालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को हिंदी में काम करने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए इस दौरान हिंदी की बहुत सी प्रतियोगिताएं/संगोष्ठी आदि आयोजित की जाएंगी। आप सबसे मेरी अपेक्षा है कि इन आयोजनों में अपनी प्रतिभागिता से प्रोत्साहित होकर अपना सरकारी कामकाज अधिक से अधिक राजभाषा हिंदी में करें।

आप सभी को हिंदी दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं।

दर्शना जरदोश
(दर्शना जरदोश)

14 सितंबर, 2023

आकृति 6 : माननीय रेल एवं राज्य वस्त्र मंत्री श्रीमती दर्शना जरदोश जी का संदेश

माननीय वस्त्र मंत्रालय सचिव श्रीमती रचना शाह जी का संदेश

रचना शाह, भा.प्र.से.
सचिव
Rachna Shah, IAS
Secretary

सत्यमेव जयते

भारत सरकार
वस्त्र मंत्रालय
उद्योग भवन, नई दिल्ली - 110 011
GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF TEXTILES
UDYOG BHAWAN, NEW DELHI - 110 011

संदेश

भाषा समाज और देश के लिए न केवल संवाद का माध्यम होती है, बल्कि सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक, राजनीतिक और शैक्षिक दृष्टिकोण से भी एक अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। वैश्वीकरण के दौर में हिंदी ने वैश्विक परिदृश्य में अपना महत्त्वपूर्ण स्थान बनाया है। 14 सितम्बर, 1949 को भारतीय संविधान में हिंदी को संघ की राजभाषा का दर्जा दिया गया था और इसकी स्मृति को बनाए रखने के लिए हर वर्ष **हिंदी दिवस** मनाया जाता है।

वर्तमान में जब हम आत्मनिर्भर भारत और 'मेक इन इंडिया' की बात करते हैं तो इन लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए सबसे पहले हमें भाषायी आधार पर आत्मनिर्भर बनना होगा। वस्त्र क्षेत्र बहुत ही व्यापक क्षेत्र है। इस क्षेत्र को विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने तथा इस क्षेत्र से जुड़े कर्मियों तथा उद्योग जगत को प्रोत्साहित करने के लिए सरकार द्वारा विभिन्न योजनाएं चलायी जा रही हैं। जन मानस को सरकार की इन विभिन्न योजनाओं और सुविधाओं का समुचित ज्ञान और लाभ केवल सबकी भाषा अर्थात हिंदी के माध्यम से ही प्रदान कर सकते हैं। अत: हम सबका कर्तव्य है कि कार्यालय में अधिकाधिक काम राजभाषा हिंदी में करें।

हिंदी दिवस के अवसर पर मंत्रालय तथा इसके अधीनस्थ कार्यालयों में आयोजित हिंदी पखवाड़ा/हिंदी माह के दौरान अधिकारियों/कर्मचारियों के लिए कार्यालयीन कार्य से संबंधित विभिन्न प्रतियोगिताओं का **14 सितम्बर से 28 सितम्बर, 2023** के दौरान आयोजन किया जाएगा। मैं आप सभी से आग्रह करती हूँ कि आप इन प्रतियोगिताओं में हिस्सा लें तथा राष्ट्रीय कर्तव्य का पालन करते हुए अधिकाधिक सरकारी कामकाज हिंदी में करके अपने संवैधानिक दायित्वों का निर्वहन करें और देश का गौरव बढ़ाएं।

हिंदी दिवस के अवसर पर आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं।

रचना शाह

14 सितंबर, 2023

(रचना शाह)

आकृति 7 : माननीय वस्त्र मंत्रालय सचिव श्रीमती रचना शाह जी का संदेश

माननीय निफ्ट महानिदेशक, श्री रोहित कंसल जी का संदेश

हिन्दी पखवाड़ा - 2023 के अवसर पर माननीय महानिदेशक महोदय की ओर से संदेश

मेरे प्रिय निफ्ट के परिवारजनों,

हिन्दी दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं। भाषा किसी भी क्षेत्र, राष्ट्र अथवा सभ्यता की अभिव्यक्ति का न केवल साधन होती है अपितु उसके मनोविज्ञान, दर्शन, एवं विचारों का स्त्रोत भी होती है। अपनी मातृभाषा का उपयोग गर्व के साथ करने वाला समाज ही प्रगति के पथ पर अग्रसर होता है। वर्तमान काल में तकनीक, विज्ञान, अन्तरिक्ष विज्ञान, सूचना की प्रौद्योगिकी एवं अन्य विभिन्न क्षेत्रों में हिन्दी के प्रचार प्रसार में जो प्रगति हुई है यह अतुलनीय है।

एक संगठन के तौर पर निफ्ट ने अपना योगदान राजभाषा के उन्नयन में गहनता से दिया है। हम सदा से ही राजभाषा के प्रगामी प्रयोग में प्रगति के लिए प्रयासरत रहे हैं। जैसा कि हम सभी जानते हैं कि फैशन अध्ययन का अधिकतम स्त्रोत अंग्रेजी भाषा में ही है किन्तु इस देश की अधिकांशतः जनसंख्या हिन्दी या क्षेत्रीय भाषाओं में ही वार्तालाप करती है। निफ्ट परिवार के मुखिया होने के नाते मैं अपने सभी परिसर निदेशकों का आह्वान करता हूं कि वे फैशन प्रौद्योगिकी से जुड़े आधारभूत सिद्धातों का संकलन **हिन्दी एवं क्षेत्रीय भाषाओं** में करें ताकि आमजन को फैशन की मुख्यधारा से जोड़ा जा सके। यह हमारी और से राजभाषा के प्रचार प्रसार में छोटा सा योगदान बड़ा परिवर्तन का कारक बन सकता है।

मैं, निफ्ट परिवार के सभी अधिकारियों/कर्मचारियों से इस विशेष अवसर पर यह कहना चाहूंगा कि आप सभी अपने संवैधानिक दायित्वों को समझते हुए न केवल हिन्दी पखवाड़े के दौरान अपितु वर्ष भर अपना कार्यालयीन कार्य राजभाषा हिन्दी में पूरी निष्ठा से करें। हिन्दी पखवाड़ा-2023 के दौरान आयोजित होने वाली प्रतियोगिताओं में कार्मिकों को भाग लेने के लिए अधिक से अधिक प्रेरित किया जाए ताकि हिन्दी के प्रति एक सकारात्मक माहौल बनाया जा सके।

जय हिन्द, जय भारत

रोहित कंसल
महानिदेशक,

आकृति 8: माननीय महानिदेशक, निफ्ट श्री रोहित कंसल जी का संदेश

राजभाषा प्रतिज्ञा

भारत सरकार

गृह मंत्रालय

राजभाषा विभाग

(सदैव ऊर्जावान;निरंतर प्रयासरत)

...

राजभाषा प्रतिज्ञा

भारतीय संविधान के अनुच्छेद 343 और 351 तथा राजभाषा संकल्प 1968 के आलोक में हम, केंद्र सरकार के कार्मिक यह प्रतिज्ञा करते हैं कि अपने उदाहरणमय नेतृत्व और निरंतर निगरानी से; अपनी प्रतिबद्धता और प्रयासों से; प्रशिक्षण और प्राइज़ से अपने साथियों में राजभाषा प्रेम की ज्योति जलाये रखेंगे, उन्हें प्रेरित और प्रोत्साहित करेंगे; अपने अधीनस्थ के हितों का ध्यान रखते हुए; अपने प्रबंधन को और अधिक कुशल और प्रभावशाली बनाते हुए राजभाषा-हिंदी का प्रयोग, प्रचार और प्रसार बढ़ाएंगे। हम राजभाषा के संवर्द्धन के प्रति सदैव ऊर्जावान और निरंतर प्रयासरत रहेंगे|

जय राजभाषा ! जय हिंद!

--

आकृति 09: राजभाषा प्रतिज्ञा

राजभाषा प्रतिज्ञा की झलकियाँ

माननीय निदेशक महोदय जी एवं परिसर के सभी सदस्यों द्वारा राजभाषा प्रतिज्ञा ली गयी।

हिंदी निबंध प्रतियोगिता (केवल स्टाफ के लिए)

भारतीय अर्थव्य पर डिजिटल भुगतान का प्रभाव

03 नि प्रति

'भारतीय अर्थव्यवस्था पर डिजिटल भुगतान का प्रभाव'

डिजिटल भुगतान का भारतीय अर्थव्यवस्था पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। यह प्रभाव भारतीय अर्थव्यवस्था पर वितीय समावेश, नकदी का कम प्रचलन, पारदर्शिता, नौकरी मे बढ़ावा, छोटे और मध्यम उद्योग मे बढ़ावा के रूप मे देखा जा सकता है। यह प्रभाव इस तरह से निम्न बिन्दुओ मे विस्तार से समझा जा सकता है।

~~वितीय समावेश~~

1. वितीय समावेश :

डिजिटल मुद्रा प्रणाली के आने से वितीय ढाँचा मजबूत हुआ है और भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए यह एक बहुत बड़ा स्तम्भ है।
जो लोग बैकिंग क्षेत्र से नही जुड़े थे और लाभ नही उठा पा रहे थे उनके लिए यह माध्यम बहुत ही उपयोगी सिद्ध हुआ है। बैंकिंग क्षेत्र मे बहुत उन्नति हुई है और एक मजबूत प्रणाली के रूप मे उभरा है।
जिन लोगो के पास बैंक मे खाता नही था वो लोग डिजिटल पेमेंट से अच्छे से काम कर पा रहे है।

2. नकदी का कम प्रचलन :

डिजिटल भुगतान से पहले ज्यादातर लेनदेन नकद होता था जो कि अब डिजिटल मुद्रा मे हो रहा है इससे नकदी का कम प्रचलन है जो कि भ्रष्टाचार और मुद्रा घोटाला जैसे फ्राड को कम कर रहा है।
इससे बैंक को भी पेपर बचत हो रहा है और मुद्रा छापने की किमत बच रही है। डिजिटल भुगतान से नकद मे लेन देन ज्यादा हुआ है जो कि नकली नोट उपयोग होने मे कमी आयी है और लेनदेन और आसान और जल्दी होने लगा है।

भारतीय अर्थव्यवस्था पर डिजिटल भुगतान का प्रभाव

04 नि.

भारतीय अर्थव्यवस्था पर डिजिटल क्रांति का मुख्य उद्देश्य इस प्रकार है :-

- महत्वपूर्ण मजबूत बुनियादि ढाँचे का महत्व
- G20 की अध्यक्षता पर भारत अग्रसर राह :-
- डिजिटल इंडिया एवं भारतीय अर्थव्यवस्था का प्रभाव

⇒ महत्वपूर्ण मजबूत बुनियादि ढाँचे का महत्व :→ डिजिटल इंडिया का प्रभाव भारत में अग्रसर है। यह भारत सरकार की योजना है। और भारत सरकार ने G20 की अध्यक्षता की कार्यप्रणाली का अवसर प्राप्त हुआ है, और भारत सरकार ने G20 की अध्यक्षता सही तरीके कार्यकाल के दौरान मे दर्शाया है।

⇒ G20 की अध्यक्षता पर भारत अग्रसर राह :→ G20 की अध्यक्षता पर भारत सरकार ने सही तरीके से मेहमानों का कार्यकुशलता पर भारत ने अपना अवसर दिखाया है।

⇒ डिजिटल इंडिया एवं भारतीय अर्थव्यवस्था का प्रभाव :→ डिजिटल इंडिया का भारतीय अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ा है :-

(i) भारत नेट परियोजना :→ भारत नेट परियोजना का उद्देश्य यह है कि भारत के सभी गाँव के लोगो को हाई स्पीड ब्रॉडबैंड जोड़ना है।

(ii) भारत की G20 अध्यक्षता पर प्रभाव :→ भारत सरकार ने G20 अध्यक्षता पर अपना विचार प्रस्तुत करते हुए कहा है कि मेरा उद्देश्य सिर्फ सबका साथ और सबका विकास करना है। और हमने सभी G20 के सदस्यों से अपील की है कि हम सबको एक साथ मिलकर आने वाले दुष्प्रभावी लड़ना है। जिससे की हमारा राष्ट्र गौरवान्वित महसूस करे।

(iii) डिजिटल इंडिया और मेक इन इंडिया :→ डिजिटल इंडिया और मेक इन इंडिया एक दूसरे के पूरक है। डिजिटल इंडिया का मुख्य उद्देश्य है कि भारतीय अर्थव्यवस्था का महत्व और मेक इन इंडिया का उद्देश्य है कि भारतीय कार्यप्रणाली को सही तरीके से अपनाना है।

हिंदी निबंध प्रतियोगिता (केवल स्टाफ के लिए)

01 नि.प्रवि.

वसुधैव कुटुंबकम

वसुधैव कुटुम्बकम संस्कृत शब्दसे प्रचलन है, और सभी राज्यों में वसुधैव कुटुम्बकम का अर्थ है अपने कुटुम्ब में भाईचारा तथा प्राणियों में एकता सद्भावना प्रभावित करना होता है वसुधैव कुटुम्बकम में अपने कुटुम्ब में अलग-अलग प्रसंगमें कार्य करके समझके भाईचारा रूप को प्राप्त करके आनंद लेना होता है"

वसुधैव कुटुम्बक में छात्रों के लिये कार्यक्रम होते हुये ज्ञानप्राप्ति लेना और दूसरे छात्रों को समझाकर आगे बढाने चाहिये वसुधैव कुटुम्बक पूरा देश में प्रस्ताव करके अलग-अलग राज्यों-देश में कार्य करके आगे बढाने का प्रैसन करना है

वसुधैव कुटुम्बक छात्रों और कॉलेज का स्टुडन्ट्स अलग बुक से ज्ञान प्राप्त करके नया कुछ कार्य करके कॉलेज-छात्रों मिलकर नई सोच करके गांव में अवसर हमेशा-बढ़ैनाडे आगे जाना चाहिए

02 नि.प्रा.

वसुधैव कुटुम्बकम

भारतीय संस्कृति में विभिन्न विचार अनवरत चलने और अमल किये जाने वाली विचारधारा का सतत प्रादुर्भाव मिलता है। बुद्ध इस प्रक्रिया को सनातन चलने वाला प्रभाव मानकर परिभाषित करते हैं। इसी धार्मिक और आध्यात्मिक विचार-शीलता को तदनन्तर अपनाये जाने को ही हम भारतीय संस्कृति का रूपक कह सकते हैं। चूँकि पुरातन सभ्यता के ऐतिहासिक क्रम को जानकर हम यह कह सकते हैं कि यथा-समय विभिन्न मत-सम्प्रदायों और महापुरुषों द्वारा प्रतिपादित विचार श्रृंखला कालातीत में अध्यात्म और धर्म का स्वरूप लेकर आम जन की जीवन-शैली को निरूपित व परिभाषित करती है। ऐसा ही एक विचार है "वसुधैव-कुटुम्बकम"। यह भारतीय दर्शन में महोपनिषद ग्रंथ के अध्याय 6 के 71 वें श्लोक से उद्धृत अंश है जिसका शाब्दिक अर्थ है कि सम्पूर्ण धरा एक परिवार ही है। अगर इस श्लोक को पूर्ण अर्थ में समझें तो यह दर्शन-शास्त्र की दृष्टि से बहुत ही उच्च कोटि का साहित्यिक सन्दर्भ है। पूर्ण श्लोक इस प्रकार है —

अयं निजः परो वेति गणना लघुचेतसाम् ।
उदारचरितानां तु वसुधैव कुटुम्बकम् ।

अर्थात् यह मेरा है और यह पराया है, ऐसा बोलने और समझने वाले जन छोटी बुद्धि के होते हैं, जिनका उदार चरित्र होता है उनके लिए तो सम्पूर्ण धरती एक परिवार के समान है यानि, जिस प्रकार परिवार में विविध सोच और विचार के लोग रहते हैं फिर भी वो एक कुल की साँझी कड़ी से आपस में जुड़ाव प्राप्त करते हैं और तमाम अन्तर्विरोध और असमानताओं को एक तरफ करके परिवार के एकता के लिए काम करते चलते हैं और इसी सहकार के फलस्वरूप अपने परिवार की उन्नति सुनिश्चित करते हैं। यह परिवार का भाव

हिंदी टंकण गति प्रतियोगिता (केवल स्टाफ के लिए)

कोड: एच.टी.पी. 2308

टंकण प्रतियोगिता -2023

विषय चंद्रयान -3 : चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर सॉफ्ट- लेंडिंग

- चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर सॉफ्ट- लेंडिंग करने वाला पहला मिशन बनकर चंद्रयान -3 ने इतिहास रच दिया है।
- दक्षिणी ध्रुवएक ऐसा क्षेत्र है जिसकी पहले कभी खोज नहीं की गयी थी। इस मिशन का उद्देश्य सुरक्षित और सहज चंद्र लेंडिंग, रोवर गतिशीलता और अंत:स्थाने वैज्ञानिक प्रयोगों का प्रदर्शन करना है।
- भारत अब संयुक्त राज्य अमेरिका , रूस और चीन के साथ चंद्रमा पर सफलतापूर्वक लेंडिंग करने वाले कुछ देशो में शामिल हो गया है।
- वर्ष – 2019 में चंद्रयान -2 मिशन की लेंडिंग में विफलता के बाद अब चंद्रयान- 3 ने सफल लेंडिंग की है।
- चंद्रयान -3 में भविष्य समस्याओं का पूर्वानुमान लगाने और उनका समाधान करने के लिए में चंद्रयान -2मिशन में सीखे गए सबक से "विफलता- आधारित"डिजाइन रणनीति का उपयोग किया गया।
- महत्वपूर्ण परिवर्तनों में लेंडर के पैरो की मजबूत करना , ईंधन भंडार बढ़ाना और लेंडिंग साईटके नवीनेपन कए बढ़ाना शामिल था।
- चंद्रयान -3 का उद्देश्य चंद्रमा पर संभावित पानी-बर्फ और संसाधनों के लिए उसके दक्षिणी ध्रुव के पास स्थायी रूप से छाया वाले क्षेत्रों की जाँच करना है।
- विक्रम लेंडर का नियंत्रित अवरोह (निचे उतरने की प्रक्रिया) चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के सबसे निकट पहुँचने के रूप में परिणित है ।
- तुल्यकालिक घूर्णन के कारण पृथ्वी से दिखाई देने वाला नजदीकी भाग चंद्रमाके 60% हिस्से को कवर करता है।
- लेंडिंग के लिए चंद्रमाके निकटतम भाग को चुनने का मिशन का प्राथमिक उद्देश्यनिर्धारित सॉफ्ट लेंडिंग था।
- चंद्रयान पृथ्वी के साथ सीधी दृष्टि रेखा से दूर होता तो ऐसे तो में उसकी लेंडिंग हेतु संचार के लिए एक मध्यवर्ती बिंदु की आवश्यकता होती है।
- चंद्रयान -3 के चंद्रमा की सतह पर कम-से-कम एक चंद्र दिवस (पृथ्वी के 14 दिन) तक संचालित होने की अपेक्षा है।
- प्रज्ञान रोवर लेंडिंग स्थल के चारो और 500 मिटर के दायरे में घूमेगा , परिक्षण करेगा और लेंडर को डेटा एवं छवियाँ भेजेगा।
- विक्रम लेंडर डेटा और छवियों को ऑर्बिटर तक प्रसारित करेगा , जो फिर उन्हें पृथ्वी आईपीआर भेज देगा।

14/14 65/75

कोड: एच.टी.पी. 2307

विषय : चंद्रयान – 3 : चन्द्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर सॉफ्ट-लेंडिंग

चन्द्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर सॉफ्ट-लेंडिंग करने वाला पहला मिशन बनकर चंद्रयान-3 ने इतिहास रच दिया है।

दक्षिणी ध्रुव एक ऐसा क्षेत्र है जिसकी पहले कभी खोज नहीं की गई थी। इस मिशन का उद्देश्य सुरक्षित और सहज चंद्र लैंडिंग, रोवर गतिशीलता और अंत:स्थाने वैज्ञानिक प्रयोगों का प्रदर्शन करना था।

भारत अब संयुक्त राज्य अमेरिका, रूस और चीन के साथ चन्द्रमा पर सफलतापूर्वक लैंडिंग करने वाले कुछ देशों में शामिल हो गया है।

वर्ष 2019 में चंद्रयान-2 मिशन की लैंडिंग में विफलता के बाद अब चंद्रयान-3 ने सफल लैंडिंग की है।

चंद्रयान-3 में भविष्य की समस्याओं का पूर्वानुमान लगाने और उनका समाधान करने के लिए चंद्रयान-2 मिशन से सीखे गए सबक से "विफलता-आधारित" डिजाईन रणनीति का उपयोग किया गया।

महत्वपूर्ण परिवर्तनों में लैंडर के पैरों को मजबूत करना, ईंधन भंडार बढ़ाना और लैंडिंग साइट के नवीनेपन को बढ़ाना शामिल था।

चंद्रयान-3 का उद्देश्य चंद्रमा पर संभावित पानी-बर्फ और संसाधनों के लिए उसके दक्षिणी ध्रुव के पास स्थायी रूप से चाय वाले क्षेत्रों की जाँच करना है।

विक्रम लैंडर का नियंत्रित अवरोह (निचे उतरने की प्रक्रिया) चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के सबसे निकट पहुँचने के रूप में परिणित हुआ।

तुल्यकालिक घूर्णन के कारण पृथ्वी से दिखाई देने वाला नजदीकी भाग चंद्रमा के 60% हिस्से को कवर करता है।

लैंडिंग के लिए चंद्रमा के निकटतम भाग को चुनने को मिशन का प्राथमिक उद्देश्य निर्धारित सॉफ्ट लैंडिंग था।

चंद्रयान पृथ्वी के साथ सीधी दृष्टी रेखा से दूर होता तो ऐसे में उसकी लैंडिंग हेतु संचार के लिए एक मध्यावर्ती बिंदु के आवश्यकता होती।

चंद्रयान-3 के चंद्रमा की सतह पर कम-से-कम एक चन्द्र दिवस (पृथ्वी के 14 दिन) तक संचालित होने के अपेक्षा है।

प्रज्ञान रोवर लैंडिंग स्थान के चारों ओर 500 मीटर के दायरे में घूमेगा, परिक्षण करेगा और लैंडर को डेटा एवं छवियाँ भेजेगा।

विक्रम लैंडर डेटा और छवियों को ऑर्बिटर तक प्रसारित करेगा, जो फिर उन्हें पृथ्वी पर भेज देगा ।

14/14 68/75

हिंदी टंकण गति प्रतियोगिता (केवल स्टाफ के लिए)

कोड: एच. टी. पी. 2310

विषय : चंद्रयान -3 : चन्द्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर सॉफ्ट- लैंडिंग

- चन्द्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर सॉफ्ट-लैंडिंग करनेवाला पहला मिशन बनकर चंद्रयान-3 ने इतिहास रच दिया है|
- दक्षिणी ध्रुव एक ऐसा क्षेत्र है जिसकी पहले कभी खोज नहीं की गई थी| इस मिशन का उद्देश्य सुरक्षित और सहज चन्द्र लैंडिंग , रोवर गतिशीलता और अंतःस्थाने वैज्ञानिक प्रयोगों का प्रदर्शन करना था|
- भारत अब संयुक्त राज्य अमेरिका ,रूस और चीन के साथ चन्द्रमा पर सफलतापूर्वक लैंडिंग करनेवाले कुछ देशों में शामिल हो गया है|
- वर्ष 2019 में चंद्रयान-2 मिशन की लैंडिंग के विफलता के बाद अब चंद्रयान -3 ने सफल लैंडिंग की है|
- चंद्रयान-3 ने भविष्य कीसमस्याओं का पूर्वानुमान लगाने और उनका समाधान करने के लिए चंद्रयान -2 मिशन से सीखे गये सबक से "विफलता –आधारित" डिज़ाइन रणनीति का उपयोग किया गया
- महत्वपूर्ण परिवर्तनों में लैंडर के पैरों को मज़बूत करना, ईंधन भंडार बढ़ाना और लैंडिंग साईट के लचीलेपन को बढ़ाना शामिल था|
- चंद्रयान -3 का उद्देश्य चन्द्रमा पर संभावित पानी-बर्फ और संसाधनों के लिए उनके दक्षिणी ध्रुव के पास स्थायी रूप से छाया वाले क्षेत्रों की जाँच करना है
- विक्रम लैंडर का नियंत्रण अवरोह (नीचे उतरने की प्रक्रिया चन्द्रमा के दक्षिण ध्रुव के सबसे निकट पहोचने के रूप में परिणत हुआ |

8/4

50/75

कोड: एच.टी.पी.2309

विषय: चंद्रयान-3: चन्द्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर सॉफ्ट- लैंडिंग

- चन्द्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर सॉफ्ट लैंडिंग करने वाला पहला मिशन बनकर चंद्रयान-3 ने इतिहास रच दिया है|
- दक्षिणी ध्रुव एक एसा क्षेत्र है जिसकी पहले कभी खोज नहीं की गई थी| इस मिशन का उद्देश्य सुरक्षित और सहज चन्द्र लैंडिंग, रोवर गतिशीलता और अंतःस्थाने वैज्ञानिक प्रयोगों का प्रदर्शन करना था|
- भारत अब संयुक्त राज्य अमेरिका, रूस और चीन के साथ चंद्रमा पर सफलतापूर्वक लैंडिंग करने वाले कुछ देशोंमे शामिल हो गया है|
- वर्ष 2019 में चंद्रयान-2 मिशन की लैंडिंग में विफलता के बाद अब चंद्रयान-3 ने सफल लैंडिंग की है|
- चंद्रयान - 3 में भविष्य की समस्याओं का पुर्वानुमान लगाने और उनका समाधान करने के लीये चंद्रयान-2 मिशन से सीखे गे सबक से "विफलता-आधारित" डिज़ाइन रणनीति का उपयोग किया गया|
- महत्वपूर्ण परिवर्तनों में लैंडर के पैरों को मजबूत करना, इंधन भंडार बढ़ाना और लैंडिंग साईट के लचीलेपन को बढ़ाना शामिल था|
- चंद्रयान - 3 का उद्देश चंद्रमा पर संभावित पानी-बर्फ और संसाधनों के लीये उसकी दक्षिणी ध्रुवके पास स्थायी रूप से छाया वाले क्षेत्रों की जाँच करना है|
- विक्रम लैंडर का नियंत्रत अवरोह (निचे उतरने की प्रक्रिया) चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के सबसे निकट पहुचने के रूप में परिणत हुआ|
- तुल्यकालिक घूर्णन के कारण पृथ्वी से दिखाई देने वाला नज़दीकी भाग चन्द्रमा के 60% हिस्से को कवर करता है|
- लैंडिंग के लीये चंद्रमा के निकटतमभाग को चुनने का मिशन का प्राथमिक उद्देश्य नियंत्रित सॉफ्ट लैंडिंग था|
- चंद्रयान पृथ्वी के साथ सीधी दृष्टि रेखा से दूर होता तो इसे में उसकी लैंडिंग हेतु संचार के लीये एक मध्यवर्ती बिंदु की आवश्यकता होती|
- चंद्रयान - 3 के चंद्रमा की सतह पर कम-से-कम एक चन्द्र दिवस (पृथ्वी के 14 दिन) तक संचालित होने की अपेक्षा है|
- प्रज्ञान रोवर लैंडिंग स्थल के चारो ओर 500 मित्र के दायरे में घूमेगा, परिक्षण करेगा और लैंडर को डेटा एवं छवियाँ भेजेगा|
- विक्रम लैंडर डेटा और छवियों को ऑर्बिट तक प्रसारित करता, जो फिर उन्हें पृथ्वी पर भेज देगा|

14/14

55/75

हिंदी श्रुत लेखन प्रतियोगिता (केवल एम्. टी. एस के लिए)

हिंदी श्रुत लेखन प्रतियोगिता (केवल एम्. टी. एस के लिए)

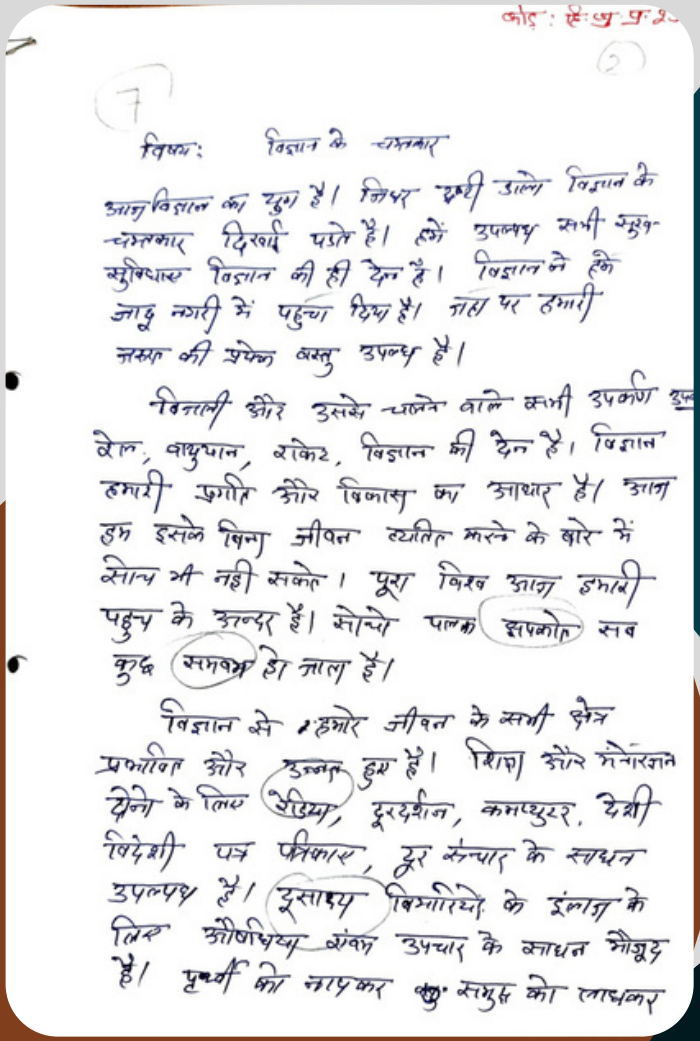

कोड: हि.श्रु.प्र.2

(2)

(7)

विषय: विज्ञान के चमत्कार

आज विज्ञान का युग है। जिधर दृष्टी डाले विज्ञान के चमत्कार दिखाई पडते है। हमें उपलब्ध सभी सुख-सुविधाए विज्ञान की ही देन है। विज्ञान ने हमे जादु नगरी में पहुचा दिया है। जहा पर हमारी जरूरत की प्रत्येक वस्तु उपलब्ध है।

बिजली और उससे चलने वाले सभी उपकरण रेल, वायुयान, राकेट, विज्ञान की देन है। विज्ञान हमारी प्रगति और विकास का आधार है। आज हम इसके बिना जीवन व्यतीत करने के बारे में सोच भी नही सकते। पूरा विश्व आज हमारी पहुच के अन्दर है। सोचो पलक झपकाते सब कुछ सम्भव हो जाता है।

विज्ञान से हमारे जीवन के सभी क्षेत्र प्रभावित और उन्नत हुए है। शिक्षा और मनोरंजन दोनो के लिए रेडियो, दूरदर्शन, कम्प्युटर, देशी विदेशी पत्र पत्रिकाए, दूर संचार के साधन उपलब्ध है। दुसाध्य बिमारियो के इलाज के लिए औषधिया एवंम उपचार के साधन मौजुद है। पृथ्वी को नापकर समुद्र को लाघकर

हि.श्रु.प्र 2309

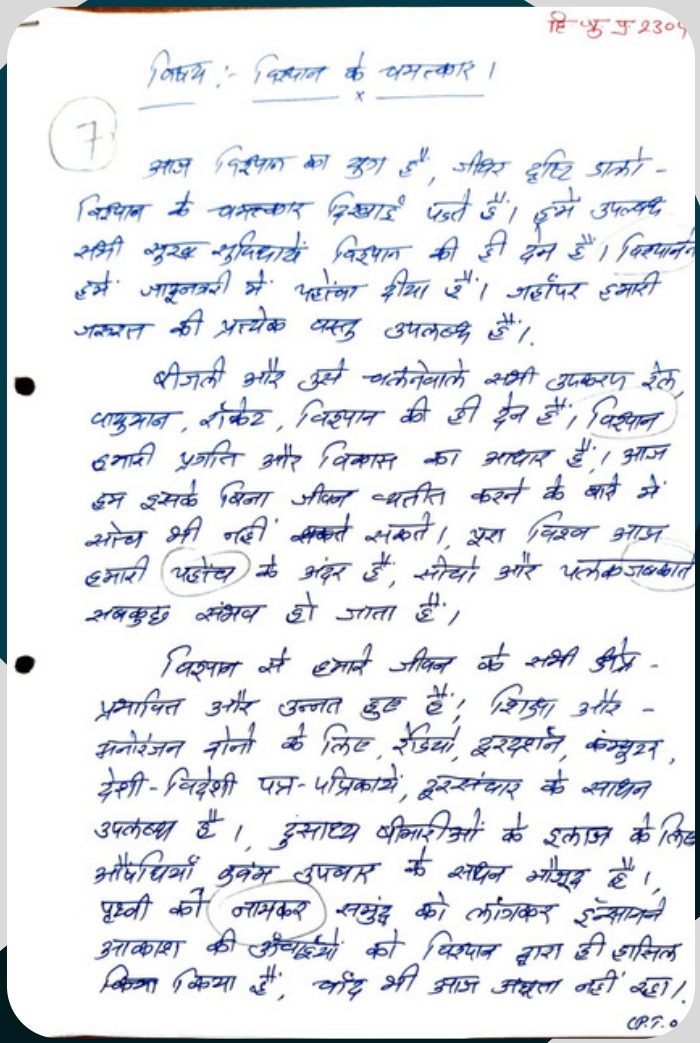

विषय :- विज्ञान के चमत्कार।

(7)

आज विज्ञान का युग है, जिधर दृष्टि डालो - विज्ञान के चमत्कार दिखाई पडते है, हमें उपलब्ध सभी सुख सुविधायें विज्ञान की ही देन है। विज्ञानने हमें जादूनगरी में पहोंचा दीया है। जहाँपर हमारी जरूरत की प्रत्येक वस्तु उपलब्ध है।

बीजली और उसे चलनेवाले सभी उपकरण रेल, वायुयान, रॉकेट, विज्ञान की ही देन है, विज्ञान हमारी प्रगति और विकास का आधार है। आज हम इसके बिना जीवन व्यतित करने के बारे में सोच भी नहीं सकते सकते। पुरा विश्व आज हमारी पहोंच के अंदर है, सोचो और पलकझपकाते सबकुछ संभव हो जाता है।

विज्ञान से हमारे जीवन के सभी क्षेत्र - प्रभावित और उन्नत हुए है। शिक्षा और - मनोरंजन दोनों के लिए, रेडियो, दूरदर्शन, कंम्पुटर, देशी-विदेशी पत्र-पत्रिकायें, दूरसंचार के साधन उपलब्ध है। दुसाध्य बिमारियों के इलाज के लिए औषधियाँ एवंम उपचार के साधन मौजुद है। पृथ्वी को नापकर समुंद्र को लांघकर इंन्सानने आकाश की ऊँचाईयों को विज्ञान द्वारा ही हासिल किया किया है, चाँद भी आज अछुता नहीं रहा।

P.T.O.

हिंदी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता (केवल अधिकारी/स्टाफ/छात्रों के लिए)

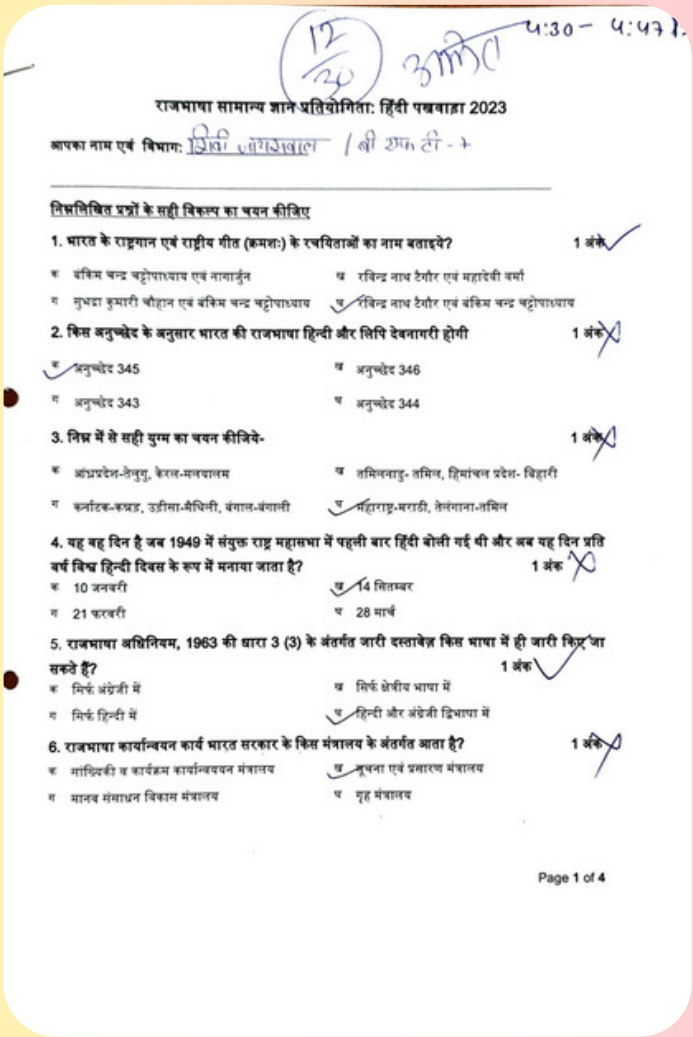

12/30

राजभाषा सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता: हिंदी पखवाड़ा 2023

आपका नाम एवं विभाग: शिवि जायसवाल

निम्नलिखित प्रश्नों के सही विकल्प का चयन कीजिए

1. भारत के राष्ट्रगान एवं राष्ट्रीय गीत (क्रमशः) के रचयिताओं का नाम बताइये? 1 अंक

क बंकिम चन्द्र चट्टोपाध्याय एवं नागार्जुन ख रविन्द्र नाथ टैगोर एवं महादेवी वर्मा
ग सुभद्रा कुमारी चौहान एवं बंकिम चन्द्र चट्टोपाध्याय घ रविन्द्र नाथ टैगोर एवं बंकिम चन्द्र चट्टोपाध्याय

2. किस अनुच्छेद के अनुसार भारत की राजभाषा हिन्दी और लिपि देवनागरी होगी 1 अंक

क अनुच्छेद 345 ख अनुच्छेद 346
ग अनुच्छेद 343 घ अनुच्छेद 344

3. निम्न में से सही युग्म का चयन कीजिये- 1 अंक

क आंध्रप्रदेश-तेलुगु, केरल-मलयालम ख तमिलनाडु- तमिल, हिमांचल प्रदेश- बिहारी
ग कर्नाटक-कन्नड़, उड़ीसा-मैथिली, बंगाल-बंगाली घ महाराष्ट्र-मराठी, तेलंगाना-तमिल

4. यह वह दिन है जब 1949 में संयुक्त राष्ट्र महासभा में पहली बार हिंदी बोली गई थी और अब यह दिन प्रति वर्ष विश्व हिन्दी दिवस के रूप में मनाया जाता है? 1 अंक

क 10 जनवरी ख 14 सितम्बर
ग 21 फरवरी घ 28 मार्च

5. राजभाषा अधिनियम, 1963 की धारा 3 (3) के अंतर्गत जारी दस्तावेज़ किस भाषा में ही जारी किए जा सकते हैं? 1 अंक

क सिर्फ अंग्रेजी में ख सिर्फ क्षेत्रीय भाषा में
ग सिर्फ हिन्दी में घ हिन्दी और अंग्रेजी द्विभाषा में

6. राजभाषा कार्यान्वयन कार्य भारत सरकार के किस मंत्रालय के अंतर्गत आता है? 1 अंक

क सांख्यिकी व कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ख सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय
ग मानव संसाधन विकास मंत्रालय घ गृह मंत्रालय

Page 1 of 4

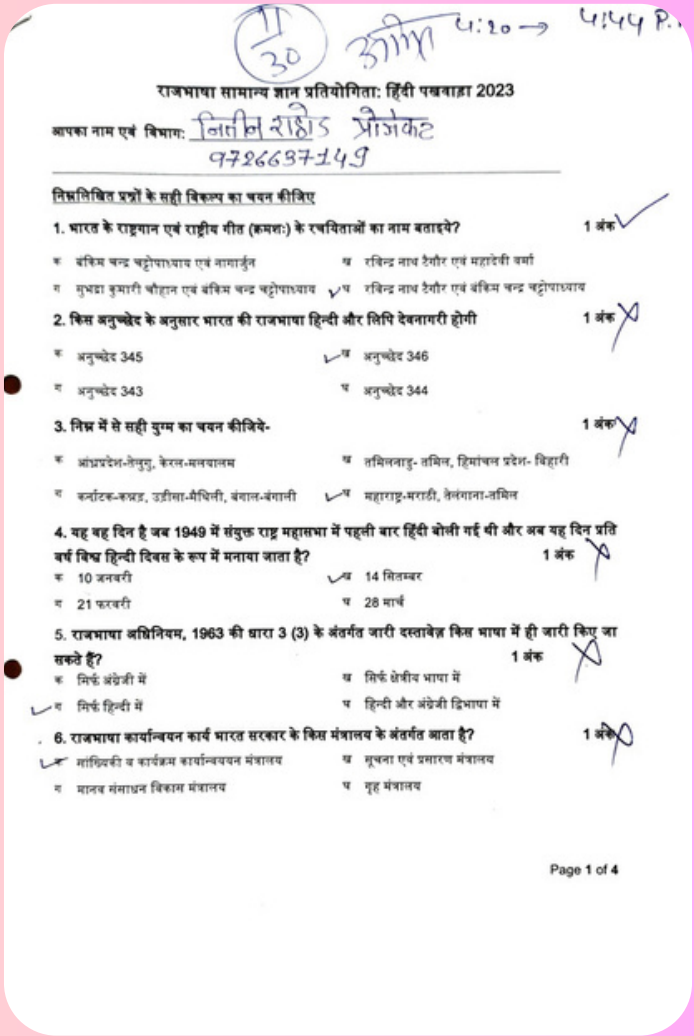

11/30

राजभाषा सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता: हिंदी पखवाड़ा 2023

आपका नाम एवं विभाग: नितीन राठोड प्रोजेक्ट
9726637149

निम्नलिखित प्रश्नों के सही विकल्प का चयन कीजिए

1. भारत के राष्ट्रगान एवं राष्ट्रीय गीत (क्रमशः) के रचयिताओं का नाम बताइये? 1 अंक

क बंकिम चन्द्र चट्टोपाध्याय एवं नागार्जुन ख रविन्द्र नाथ टैगोर एवं महादेवी वर्मा
ग सुभद्रा कुमारी चौहान एवं बंकिम चन्द्र चट्टोपाध्याय घ रविन्द्र नाथ टैगोर एवं बंकिम चन्द्र चट्टोपाध्याय

2. किस अनुच्छेद के अनुसार भारत की राजभाषा हिन्दी और लिपि देवनागरी होगी 1 अंक

क अनुच्छेद 345 ख अनुच्छेद 346
ग अनुच्छेद 343 घ अनुच्छेद 344

3. निम्न में से सही युग्म का चयन कीजिये- 1 अंक

क आंध्रप्रदेश-तेलुगु, केरल-मलयालम ख तमिलनाडु- तमिल, हिमांचल प्रदेश- बिहारी
ग कर्नाटक-कन्नड़, उड़ीसा-मैथिली, बंगाल-बंगाली घ महाराष्ट्र-मराठी, तेलंगाना-तमिल

4. यह वह दिन है जब 1949 में संयुक्त राष्ट्र महासभा में पहली बार हिंदी बोली गई थी और अब यह दिन प्रति वर्ष विश्व हिन्दी दिवस के रूप में मनाया जाता है? 1 अंक

क 10 जनवरी ख 14 सितम्बर
ग 21 फरवरी घ 28 मार्च

5. राजभाषा अधिनियम, 1963 की धारा 3 (3) के अंतर्गत जारी दस्तावेज़ किस भाषा में ही जारी किए जा सकते हैं? 1 अंक

क सिर्फ अंग्रेजी में ख सिर्फ क्षेत्रीय भाषा में
ग सिर्फ हिन्दी में घ हिन्दी और अंग्रेजी द्विभाषा में

6. राजभाषा कार्यान्वयन कार्य भारत सरकार के किस मंत्रालय के अंतर्गत आता है? 1 अंक

क सांख्यिकी व कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ख सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय
ग मानव संसाधन विकास मंत्रालय घ गृह मंत्रालय

Page 1 of 4

हिंदी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता (केवल अधिकारी/स्टाफ/छात्रों के लिए)

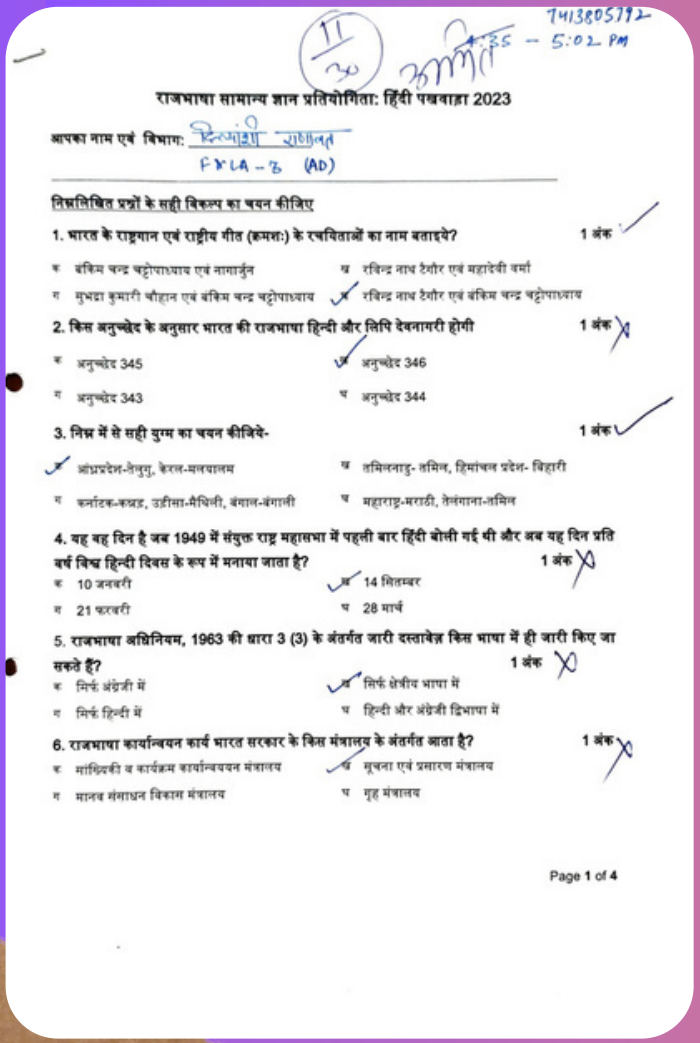

11/30

4:35 – 5:02 PM

राजभाषा सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता: हिंदी पखवाड़ा 2023

आपका नाम एवं विभाग:

निम्नलिखित प्रश्नों के सही विकल्प का चयन कीजिए

1. भारत के राष्ट्रगान एवं राष्ट्रीय गीत (क्रमशः) के रचयिताओं का नाम बताइये? 1 अंक

क बंकिम चन्द्र चट्टोपाध्याय एवं नागार्जुन
ख रविन्द्र नाथ टैगोर एवं महादेवी वर्मा
ग सुभद्रा कुमारी चौहान एवं बंकिम चन्द्र चट्टोपाध्याय
घ रविन्द्र नाथ टैगोर एवं बंकिम चन्द्र चट्टोपाध्याय

2. किस अनुच्छेद के अनुसार भारत की राजभाषा हिन्दी और लिपि देवनागरी होगी 1 अंक

क अनुच्छेद 345
ख अनुच्छेद 346
ग अनुच्छेद 343
घ अनुच्छेद 344

3. निम्न में से सही युग्म का चयन कीजिये- 1 अंक

क आंध्रप्रदेश-तेलुगु, केरल-मलयालम
ख तमिलनाडु- तमिल, हिमांचल प्रदेश- बिहारी
ग कर्नाटक-कन्नड़, उड़ीसा-मैथिली, बंगाल-बंगाली
घ महाराष्ट्र-मराठी, तेलंगाना-तमिल

4. यह वह दिन है जब 1949 में संयुक्त राष्ट्र महासभा में पहली बार हिंदी बोली गई थी और अब यह दिन प्रति वर्ष विश्व हिन्दी दिवस के रूप में मनाया जाता है? 1 अंक

क 10 जनवरी
ख 14 सितम्बर
ग 21 फरवरी
घ 28 मार्च

5. राजभाषा अधिनियम, 1963 की धारा 3 (3) के अंतर्गत जारी दस्तावेज़ किस भाषा में ही जारी किए जा सकते हैं? 1 अंक

क सिर्फ अंग्रेजी में
ख सिर्फ क्षेत्रीय भाषा में
ग सिर्फ हिन्दी में
घ हिन्दी और अंग्रेजी द्विभाषा में

6. राजभाषा कार्यान्वयन कार्य भारत सरकार के किस मंत्रालय के अंतर्गत आता है? 1 अंक

क सांख्यिकी व कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय
ख सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय
ग मानव संसाधन विकास मंत्रालय
घ गृह मंत्रालय

Page 1 of 4

4:20 – 4:37

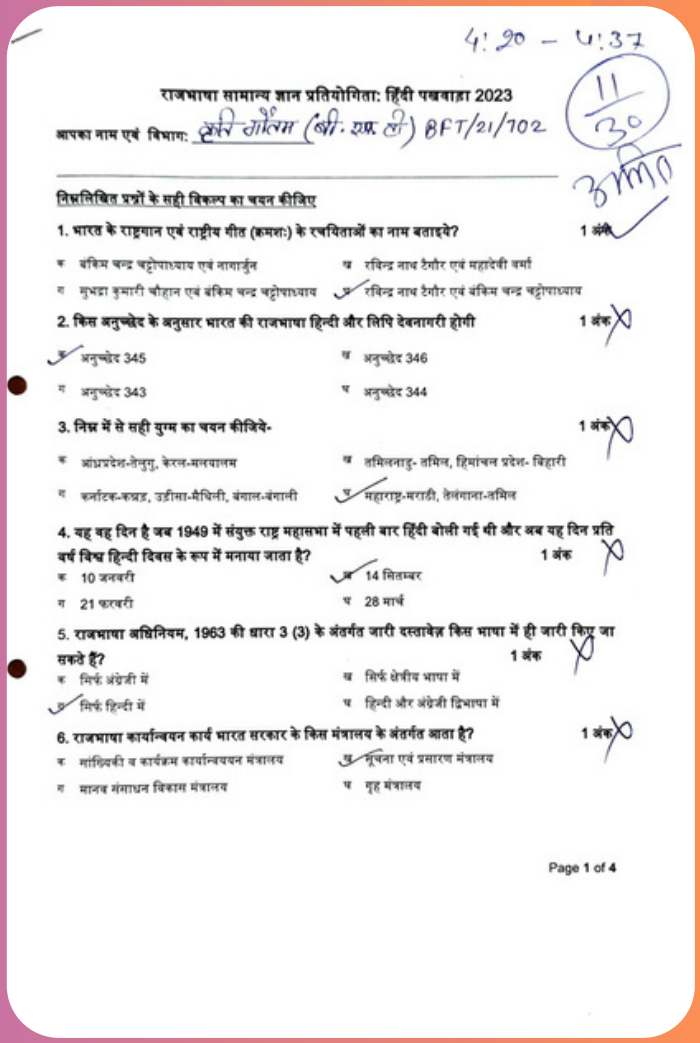

11/30

राजभाषा सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता: हिंदी पखवाड़ा 2023

आपका नाम एवं विभाग: BFT/21/702

निम्नलिखित प्रश्नों के सही विकल्प का चयन कीजिए

1. भारत के राष्ट्रगान एवं राष्ट्रीय गीत (क्रमशः) के रचयिताओं का नाम बताइये? 1 अंक

क बंकिम चन्द्र चट्टोपाध्याय एवं नागार्जुन
ख रविन्द्र नाथ टैगोर एवं महादेवी वर्मा
ग सुभद्रा कुमारी चौहान एवं बंकिम चन्द्र चट्टोपाध्याय
घ रविन्द्र नाथ टैगोर एवं बंकिम चन्द्र चट्टोपाध्याय

2. किस अनुच्छेद के अनुसार भारत की राजभाषा हिन्दी और लिपि देवनागरी होगी 1 अंक

क अनुच्छेद 345
ख अनुच्छेद 346
ग अनुच्छेद 343
घ अनुच्छेद 344

3. निम्न में से सही युग्म का चयन कीजिये- 1 अंक

क आंध्रप्रदेश-तेलुगु, केरल-मलयालम
ख तमिलनाडु- तमिल, हिमांचल प्रदेश- बिहारी
ग कर्नाटक-कन्नड़, उड़ीसा-मैथिली, बंगाल-बंगाली
घ महाराष्ट्र-मराठी, तेलंगाना-तमिल

4. यह वह दिन है जब 1949 में संयुक्त राष्ट्र महासभा में पहली बार हिंदी बोली गई थी और अब यह दिन प्रति वर्ष विश्व हिन्दी दिवस के रूप में मनाया जाता है? 1 अंक

क 10 जनवरी
ख 14 सितम्बर
ग 21 फरवरी
घ 28 मार्च

5. राजभाषा अधिनियम, 1963 की धारा 3 (3) के अंतर्गत जारी दस्तावेज़ किस भाषा में ही जारी किए जा सकते हैं? 1 अंक

क सिर्फ अंग्रेजी में
ख सिर्फ क्षेत्रीय भाषा में
ग सिर्फ हिन्दी में
घ हिन्दी और अंग्रेजी द्विभाषा में

6. राजभाषा कार्यान्वयन कार्य भारत सरकार के किस मंत्रालय के अंतर्गत आता है? 1 अंक

क सांख्यिकी व कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय
ख सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय
ग मानव संसाधन विकास मंत्रालय
घ गृह मंत्रालय

Page 1 of 4

हिंदी पोस्टर बनाओ प्रतियोगिता (केवल छात्रों के लिए)

चित्र देखो कहानी लिखो प्रतियोगिता (केवल छात्रों के लिए)

चित्र देखो कहानी लिखो प्रतयोगिता

कोड: चि. 2309

आवाज़ अब भी गुमनाम है

इति का मन अभी भी उन किताबों में नहीं लगता था। अपने पिता
का सपना पूरा करने के खातिर इति ने अपने सपने सालों पहले ही
त्याग दिए थे। जिन सपनों को पूरा करने की झलक इति ने अप
पिता के कंधों पर बैठकर देखी थी, आज उन्हीं कंधों का सहा
बनने के लिए उसने अपने ही सपने खुद ही जलाकर खाक कर दि
बचपन से ही इति का मन नृत्य व संगीत की ओर आकर्षित
रहता था किंतु इति के पिता का सपना तो कुछ और ही था।
इति के पिता उसे कल्पना चावला की तरह चाँद पर भेज अपना
सपना पूरा करना चाहते थे। पर इति का दिल कुछ और ही
कहता था। वह आज भी नृत्य सीख एक कलाकार बनना
चाहती थी, किंतु उसके पिता इसके बिलकुल खिलाफ थे।

चित्र देखो कहानी लिखो प्रतयोगिता

कोड: चि. 2310

आपका नैनीताल?

"राधा और मीरा बचपन की सहेलियाँ हैं। मीरा यानी मैं, और राधा
हमारे बागबान जी की बेटी। जैसे सचमुच की मीरा और राधा में श्री कृ
एक थे। वैसे हम दोनों के बीच नृत्य। सारा-सारा दिन हम विद्यालय
से लौटकर कभी इधर थिरकते, कभी उधर। धीरे-धीरे समय बीतता
गया, हम बड़े हो गए। मेरा घर-परिवार शुरू से ही मेरा सारथी
रहा है। मुझे कभी किसी चीज़ के लिए मना नहीं किया गया, परंतु
पापा को ये लड़के और लड़कियों के शौक और नौकरियाँ मिलना
कभी समझ ही नहीं आया। भैया का कार सीखना ज़रूरी है, परंतु
मेरा, अनावश्यक। ऐसी बहसें न तो कभी मैं समझ पाई।
ना ही मेरा दृष्टिकोण, पापा।
बचपन में मैंने और राधा ने एक पाठ पढ़ा था "नैनीताल की
सैर"। तब एक दूसरे से वादा किया था कि बड़े होकर कभी नैनीताल
जाएंगे तो सिर्फ एक दूसरे के साथ। मैं भागमभाग में वादा

हिंदी नाम अभिधा गतिविधि

हिंदी पखवाडा के दौरान एक रोचक गतिविधि का आयोजन किया गया था। इस गतिवधि में प्रतिभागी को अपना नाम हिंदी में लिखना था एवं अपने नाम के आगे नाम का अर्थ हिंदी (देवनागिरी लिपि) में ही लिखना था। यह गतविधि पूरे पखवाड़े के दौरान चलती रही इसमें कर्मचारी, अधिकारी, एवं छात्रों ने बढ़- चढ़ कर भाग लिया। कई लोगो ने यह स्वीकार किया कि अपने नाम का हिंदी अर्थ जानना काफी रोचक रहा।

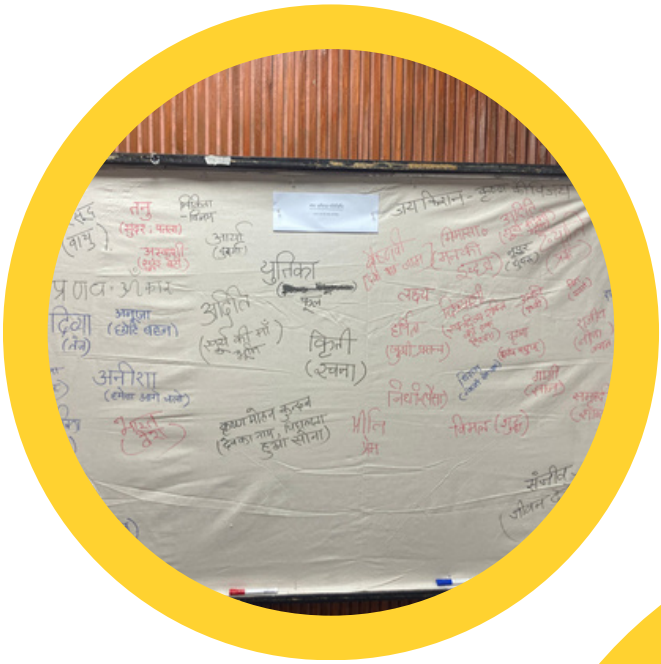

आकृति 10: अभिधा प्रतियोगिता में प्रतिभागी भाग लेते हुए

प्रतियोगिता में भाग लिए गए विजताओं का विवरण

निफ्ट, गांधीनगर में हिंदी पखवाड़े-2023 का आयोजन दिनांक 14-09-2023 से 29-09-2023 के बीच संपन्न हुआ, इस उपरान्त विभिन्न प्रतियोगितायों का आयोजन किया गया जिसमे परिसर के अधिकारी गण, संकाय गण, कर्मचारी गण एवं छात्रों ने अलग- अलग प्रतियोगितायों में भाग लियाI

प्रतियोगिता में भाग लिए गए विजताओं को दिए जाने वाले पुरस्काकारों का विवरण इस प्रकार है :

क्रं सं.	प्रतियोगिता/कार्यक्रम	प्रतिभागियों की संख्या	पुरस्कारों की संख्या
1	हिंदी टंकणगति प्रतियोगिता (केवल स्टाफ के लिए)	10	05 पुरस्कार
2	हिंदी श्रुत लेखन प्रतियोगिता (केवल एम. टी. एस के लिए)	13	07 पुरस्कार
4	प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता (स्टाफ एवं छात्रों के लिए)	36	07 पुरस्कार
3	हिंदी पोस्टर बनाओ प्रतियोगिता (केवल छात्रों के लिए)	15	07 पुरस्कार
5	हिंदी निबंध प्रतियोगिता (केवल स्टाफ के लिए)	07	03 पुरस्कार
6	चित्र देखो कहानी लिखो प्रतियोगिता (केवल छात्रों के लिए)	26	07 पुरस्कार

हिंदी पखवाड़े के दौरान उपरोक्त प्रतियोगिताओं का पुरस्कार वितरण मुख्यालय द्वारा प्राप्त निम्न निमयानुसार किया गया:

उपरोक्त प्रतियोगिताओं के लिए प्रस्तावित पुरस्कार की राशि इस प्रकार होगी तथा निर्णायक गणों के लिए प्रस्तावित मानदेय नीचे दिये गए विवरण के अनुसार है।

- प्रथम पुरस्कार: – रुपए 4500/- (एक प्रति प्रतियोगिता)
- द्वितीय पुरस्कार: रुपए 3500/- (एक प्रति प्रतियोगिता)
- तृतीय पुरस्कार:– रुपए 2500/- (एक प्रति प्रतियोगिता)
- प्रोत्साहन सांत्वना पुरस्कार: रुपए 1500/- (कुल चार/प्रतियोगिता)

क्रं सं	प्रतिभागियों की संख्या	पुरस्कारों की संख्या
1.	12 या 12 से अधिक प्रतिभागी होने पर	07 पुरस्कार
2.	10 से 11 होने पर	05 पुरस्कार
3.	08 से 09 होने पर	04 पुरस्कार
4.	06 से 07 होने पर	03 पुरस्कार
5.	04 से 05 होने पर	02 पुरस्कार
6.	03 अथवा 03 से कम प्रतिभागी होने पर	01 पुरस्कार

हिंदी पखवाड़ा के लिए प्रमाण पत्र

राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान, गांधीनगर
(वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार)

प्रमाण-पत्र

राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान, गांधीनगर द्वारा दिनांक 14 सितम्बर से 29 सितम्बर 2023 तक मनाए गए हिंदी पखवाड़े में आयोजित _____

प्रतियोगिता में सुश्री/श्री_____

ने भाग लेकर_____पुरस्कार प्राप्त किया।

नोडल हिंदी अधिकारी

निदेशक

"हिन्दी हमारे राष्ट्र की अभिव्यक्ति का सरलतम स्रोत है।"

–सुमित्रानंदन पंत

विभिन्न प्रतियोगिताओं के निर्णायकगण

1.	प्रो. (डॉ.) अमर तिवारी, प्राध्यापक
2.	डॉ. सुश्री सुभांगी यादव, सह प्राध्यापक
3.	सुश्री नूपुर चोपड़ा, सह प्राध्यापक
4.	सुश्री जागृति मिश्रा, सह प्राध्यापक
5.	श्री अभिषेक शर्मा, सह प्राध्यापक
6.	श्री असित भट्ट, सह प्राध्यापक
7.	श्री भास्कर बैनर्जी,सह प्राध्यापक
8.	सुश्री सुमिता अग्रवाल, सहायक प्राध्यापक
9.	श्री भारत जैन, सह-प्राध्यापक
10.	श्री मनीष भार्गव, सह-प्राध्यापक
11.	श्री अमित फोगाट, सहायक प्राध्यापक
12.	श्री चिराग सोलंकी, वरिष्ठ सहायक निदेशक
13.	श्री राज कुमार, सहायक प्राध्यापक
14.	श्री मनीष शर्मा, सहायक प्राध्यापक
15.	श्री जय किशन, सहायक प्राध्यापक
16.	श्री अवनीश,सहायक प्राध्यापक
17.	श्री विमल सिंह, सहायक प्राध्यापक
18.	श्री संजीव जैन, प्रमुख संसाधन केंद्र

बहु कार्यकारिणी टीम

1.	श्री विमल सिंह (सहायक प्राध्यापक, नोडल हिंदी अधिकारी)
2.	सुश्री पूजा ओझा (कनिष्ट अनुवाद अधिकारी)
3.	श्री गोविन्द (एम्. टी. एस.)
4.	श्री अब्दुल (एम्. टी. एस.)

हिंदी पखवाड़ा 2023 का समापन

हिंदी पखवाड़ा निफ्ट, गांधीनगर के लिए हमेशा से ही महत्त्वपूर्ण रहा है। हर साल विविध कार्यक्रमों के आयोजन के साथ विद्यार्थी भी हिंदी की उपलक्ष्यता को ध्यान में रख कर बड़े ही आनन्द से पूरे पखवाड़े तक संस्था द्वारा आयोजित विभिन्न प्रतियोगितायों में भाग लेते रहे हैं।

सभा के समापन पर सभी उपस्थित कार्मिकों द्वारा हिंदी को हर कार्य में बढ़ावा देने का प्रण लिया गया। इसी प्रण के साथ हिंदी पखवाड़ा वर्ष 2023 का समापन किया गया। आयोजन समिति ने सभी प्रतिभागियों को विशेष धन्यवाद ज्ञापित किया।

“हिंदी भाषा हमारे राष्ट्र
की अभिव्यक्ति का
सरलतम स्रोत है।”
— सुमित्रानंदन पंत

जयहिन्द